पढ़ो पंजाब पढ़ाओ पंजाब हिंदी टीम
पाठ्यक्रम 2021-22

पाठ-4 राखी की चुनौती — कक्षा-आठवीं

प्रश्न (1) नीचे गुरमुखी और देवनागरी लिपि में दिए गए शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें

ਚਮਕ - चमक — **ਖੁਸ਼ੀ** - खुशी

ਬੂੰਦ -बूंद — **ਘਰ** -घर

ਹੱਥਕੜੀ -हथकड़ी — **ਬੰਦੀ** -बंदी

प्रश्न (2) नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिए गए हैं इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें

ਬਿਜਲੀ - तड़ित — **ਭੇਦਭਾਵ** - विषमता

ਭੈਣ - बहन — **ਫੁੱਲ** - फूल

ਬੱਦਲ -घन — **ਅਸਮਾਨ** -गगन

ਬਦਲੀ -घटा — **ਪੁੰਨਿਆ, ਪੂਰਨਮਾਸ਼ੀ** -पूर्णिमा, पूर्णमासी

प्रश्न (3) शब्दार्थ

घटा-	जल भरे बादलों का समूह
कलाई-	हाथ में हथेली के जोड़ के ऊपर गट्टा
भादों-	भादों का महीना, भाद्रपद, सावन के बाद पड़ने वाला देशी महीना
जालिम-	जुल्म करने वाला
धूनी-	ठंड से बचने के लिए जलायी जाने वाली आग
विषमता-	असमता, भीषणता, जटिलता।
चुनौती-	युद्ध, शास्त्रार्थ आदि के लिए आह्वान, ललकार

प्रश्न 5. इन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें :-

(क) लता कहाँ पर फूली नहीं समाती ?

उत्तर - लता वन में फूली नहीं समाती।

(ख) राखी का त्योहार किस दिन होता है ?

उत्तर- राखी का त्योहार श्रावण (सावन) मास की पूर्णिमा के दिन होता है।

(ग) इस बहन का भाई कहाँ है?

उत्तर-इस बहन का भाई आज़ादी के लिए जेल में कैद है।

(घ) बहन किसको बधाई देती है ?

उत्तर-बहन उनको बधाई देती है, जिनके भाई राखी के दिन उनके पास हैं।

(ङ) 'मुझे गर्व है किन्तु राखी है सूनी' का भाव बताएँ।

उत्तर-बहन को इस बात का गर्व है कि उसका भाई देश के लिए जेल गया है, परन्तु उसकी राखी सूनी पड़ी है।

(च) यह कविता भारत की स्वतन्त्रता से पहले लिखी गई या बाद में?

उत्तर-'राखी की चुनौती' कविता देश की स्वतन्त्रता से पहले लिखी गई है।

प्रश्न 6. इन प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच शब्दों में लिखें:

(क) 'राखी की चुनौती' कविता का सार लिखें।

उत्तर-'राखी की चुनौती' कविता सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा रचित है, जिसमें एक बहन राखी के अवसर पर बहुत प्रसन्न है। उसे लगता है कि बादल भी बिजली चमका कर अपनी खुशी व्यक्त कर रहे हैं। जंगल में बेल भी फूली नहीं समा रही। अनेक प्रकार की राखियाँ हैं। रक्षा बंधन के अवसर पर पूर्णिमा भी बहुत सुन्दर प्रतीत हो रही हैं। वह उन्हें बधाई देती है जिनके भाई उन के पास है परन्तु वह इसलिए प्रसन्न नहीं है क्योंकि उस का भाई देश के लिए जेल गया हुआ है जिसे वह गौरव की बात मानती है क्योंकि वह देश को स्वाधीन कराने के लिए जेल गया है। आज उस का भाई उसके साथ होता तो उसे और भी अधिक प्रसन्नता होती। वह भाई को चुनौती देती है कि देश के लिए बंदी बनकर तुम्हें गुलामी का अनुभव हो जाएगा इसलिए राखी की यह चुनौती है कि तुम देश को आजाद कराओ।

(ख) इस कविता में बहन ने पराधीन देश के भाइयों को क्या सन्देश दिया है ?

उत्तर- 'राखी की चुनौती' कविता में पराधीन देश के भाइयों को आज़ादी की लड़ाई में कूदने का सन्देश दिया है। भाइयों को अपने देश की गुलामी को दूर करने के लिए संघर्ष प्रथा करना चाहिए। आजादी को पूरी तरह प्राप्त कर लेना चाहिए।

प्रश्न 7. इन काव्य-पंक्तियों का सरलार्थ करें:-

(क) मैं हूँ बहन किन्तु भाई नहीं है,
है राखी सजी पर कलाई नहीं है।
है भादों, घटा किन्तु छाई नहीं है।
नहीं है खुशी पर रुलाई नहीं है।

प्रसंग- प्रस्तुत पंक्तियाँ श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा लिखित कविता 'राखी की चुनौती' से ली गई हैं। प्रस्तुत पंक्तियों में कवयित्री ने देश की स्वतन्त्रता के लिए जेल गए भाई के देश प्रेम पर गर्व किया है।

व्याख्या- कवयित्री कहती है कि मैं बहन तो राखी बाँधने को तैयार हूँ परन्तु मेरा भाई यहाँ नहीं है। सजी-सँवरी राखी तो है पर भाई की वह कलाई नहीं है, जिस पर इसे बाँधना है। यह तो ऐसा ही है जैसे भादों का महीना तो हो परन्तु आकाश में बादल दिखाई न पड़ें। मेरे जीवन में भी राखी का त्योहार तो आया है परन्तु राखी को सार्थक करने वाला भाई का हाथ दिखाई नहीं पड़ रहा। भादों महीना तो है पर घटा नहीं छायी है। भाई न होने के कारण खुशी नहीं है, परन्तु रोना धोना भी नहीं है। क्योंकि भाई स्वाधीनता संग्राम में भाग लेने के कारण जेल में बन्द है। मेरे लिए यह गौरव की बात है।

विशेष-(1) देश को स्वतन्त्र कराने के लिए जेल में बन्द भाइयों पर बहनों को गर्व है।
(2) भाषा सरल एवं सहज है।

(ख) मेरा बन्धु माँ की पुकारों को सुनकर
के तैयार हो जेलखाने गया है ।
छीनी हुई माँ की स्वाधीनता को
वह ज़ालिम के घर में से लाने गया है ।

(ख) प्रसंग-प्रस्तुत पंक्तियाँ श्रीमती सुभद्रा कुमार चौहान द्वारा लिखित कविता 'राखी की चुनौती' से ली गई हैं। प्रस्तुत पंक्तियों में देश को स्वतन्त्र कराने के लिए एक बहन अपने भाई के देश-प्रेम पर गर्व कर रही है।

व्याख्या-कवयित्री राखी के त्योहार पर कह रही है कि मेरा भाई बेड़ियों में जकड़ी भारत माता की पुकार को सुनकर ही तैयार होकर जेल गया है। वह अंग्रेजों द्वारा छीनी गई देश की आज़ादी को अत्याचारी शासक के घर से वापस लाने को गया है।

विशेष-(1) कवयित्री का भाई देश को आजाद कराने के लिए जेल में बंद है।
(2) भाषा सरल, सरस एवं भावपूर्ण है।

प्रश्न 8.(क) दो-दो समानार्थक शब्द लिखें-

तड़ित-बिजली, विद्युत्।
खुशी-प्रसन्नता, हर्ष।
पुष्प-फूल, सुमन।
गगन-आकाश, नभ
धन-बादल, मेघ।
भाई-भ्राता, सहोदर।

प्रश्न.9 शुद्ध करके लिखें-

राखीयां-राखियाँ	हिरदय-हृदय
विशमता-विषमता	प्रण-प्रण

प्रश्न 10. इन मुहावरों के अर्थ बताकर वाक्यों में प्रयोग करें-

1) फूले न समाना (बहुत खुश होना) परीक्षा में प्रथम आने पर मोहन फूला नहीं समा रहा था।
2) धूनी तपना (कष्ट सहना) देश की रक्षा के लिए सारे देशवासियों को धूनी तपनी पड़ती है।
3) खुशी दोगुनी होना (प्रसन्नता बढ़ना) अपने मित्र के पास होने पर मेरी खुशी दोगुनी हो गई।

प्रश्न 11. विपरीतार्थक शब्द लिखें -

धरती-आसमान	अमावस-पूर्णिमा
पराधीनता-स्वाधीनता	अमंगल-मंगल
कठोर-कोमल	मुक्ति-बन्धन